

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय कानपूर, उत्तर प्रदेश



<u>मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं</u>

दिनांक: 13-05-2025

मथुरा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-05-13 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

| मौसम कारक | 2025-05-14 | 2025-05-15 | 2025-05-16 | 2025-05- 17 | 2025-05- 18 |
|----------------------------------|---------------------|---------------------|---------------------|----------------|----------------|
| वर्षा (मिमी) | 4.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 41.0 | 43.0 | 44.0 | 45.0 | 44.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 26.0 | 27.0 | 27.0 | 29.0 | 29.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 49 | 44 | 39 | 39 | 43 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 21 | 18 | 18 | 19 | 20 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 12 | 11 | 11 | 11 | 8 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 295 | 261 | 293 | 286 | 265 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 2 | 1 | 2 | 3 | 3 |
| चेतावनी | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | लू | लू |

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 41.0-45.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 26.0-29.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 39-49 और 18-21% के बीच है। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम है और हवा की गित 8.0-12.0 किमी प्रति घंटे के बीच है, जिसमें सामान्य से 6-7 किमी प्रति घंटे की गित से हवा चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में लू चलने की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

मौसम की स्थिति को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गर्मी की लहर बचाव हेतु खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य प्रातःकाल एवं दोपहर के समय न करे। सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के बीच खेतों पर कोई कार्य न करें तथा खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई 7 -8 दिन के अन्तराल पर सायंकाल के समय करें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए बाहर न छोड़े। पशुओं को सुबह - शाम नहलायें। भीषण गर्मी को देखते हुए किसान भाई खेत में कार्य करते समय थोड़ी -थोड़ी देर पर पानी पीते रहे। दोपहर के वक्त अनावश्यक घर से बाहर न निकले यदि आवश्यक कार्य है तो सिर पर गमछा बाँध कर ही घर से बाहर निकले।

सामान्य सलाहकारः

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खड़ी सब्जियों एवं फसलों में आवश्कतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। खेत में कार्य करते समय सिर पर गमछा बांधे एवं पानी की बोतल अवश्य साथ में रखें। भीषण गर्मी को देखते हुए पशुओं को दिन में 3 -4 बार पानी पिलायें और सुबह-शाम नहलायें। कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों के लिए अलग -अलग अथवा उपकरणों को साफ पानी से धोकर ही प्रयोग करें तथा कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों का छिड़काव हवा के विपरीत दिशा में खड़े होकर छिड़काव या बुरकाव न करें। छिड़काव यथा सम्भव हो तो सायंकाल के समय करे, छिड़काव के बाद खाने-पिने से पूर्व हाथों को साबुन या हैंड वाश से अच्छी तरह से धो लेना चाहिए तथा कपड़ों को धोकर नहां लेना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

धूप से बचाव हेतु दिन के समय घर से बाहर निकलने पर सर के ऊपर छाता, टोपी या सूती गमछे से ढक लें। खड़ी फसलों को शाम के समय 7 -8 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|-------------|---|
| | मक्के की फसल जीरा निकलने /भुट्टा बनने/दाना भरने की अवस्था पर चल रही है जो नमी के कमी के प्रति संवेदन शील हैं। अतः आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। मक्के की फसल में तना बेधक /प्ररोह मक्खी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम /हेक्टेयर अथवा डाइमेथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600- 700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। |
| काला चना | उर्द की फसल फूल से फली बनने की अवस्था पर चल रही है जो नमी के कमी के प्रति संवेदन शील हैं। अतः आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें।उर्द की फसल में फली बेधक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एस जी 220 ग्राम / हेक्टेयर या डाइमेथोएट 30% ई.सी. 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600 -700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें। |
| मूँग | मूँग की फसल में आवश्यकतानुसार 10 -12 दिन के अन्तराल पर हल्की सिचाई कर उचित नमी बनाए रखे। मूँग की फसल में थ्रिप्स/हरे फुदके कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु आक्सीडेमेटान-मिथाइल 25% ईसी या डाईमेथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। |
| मक्का | खरीफ मक्का की बुवाई पलेवा करने के पश्चात ही खेत की तैयारी करें, साथ ही उन्नतशील संस्तुति संकुल प्रजातियां- कंचन, गौरव,स्वेता, आजाद उत्तम एवं संकर प्रजातियां- प्रकाश,वाई -1402, बायो-9681, प्रो -316 ,डी -9144, दिकाल्ब- 7074, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच133 आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए 20 -25 किलोग्राम बीज/हेक्टयर तथा शंकर प्रजाति 18 -20 किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें। |

बागवानी विशिष्ट सलाहः

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---------|--|
| बैंगन | कद्दू, लौकी, तरोई,करैला, खीरा, ककड़ी,तरबूज, खरबूजा आदि तैयार फसलों की तुड़ाई कर बाजार भेजे। सब्जियों की फसलों में फल छेदक /पत्ती छेदक कीट की रोकथाम हेतु नीम आयल 1.5-2.0 मिली॰/लीटर पानी में घोल बनाकर 3 -4 छिड़काव 8 -10 दिन के अन्तराल पर करें। सब्जिओं की खड़ी फसलों में निराई - गुड़ाई करें तथा सिंचाई का कार्य 8-10 दिन के अन्तराल पर शाम के समय करें। |

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---------|---|
| आम | नये बागो की रोपाई के लिए गड्डो की खुदाई करें।आम, अमरूद, नींबू बेर, अंगूर, पपीता व लीची आदि के बागों में सिंचाई का कार्य करें। आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफ्थलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली॰ प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के फलो में कोयलिया विकार या आंतरिक सड़न रोग की रोकथाम हेतु बोरेक्स 0.8 प्रतिशत 0.8 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2 छिड़काव करें। |

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह | | | |
|---------|--|--|--|--|
| भेंस | वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधे या पेड़ के नीचे पशुओं को न बांधे क्योंकि इस सप्ताह हवाओं की गति सामान्य से तेज चलने के कारण पेड़ / पेड़ो की टहनियों के गिरने की सम्भावना अधिक रहती हैं। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधे। पशुओं को पेट में कीड़ो की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है। | | | |

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाहः

| मुर्गी पालन | मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह |
|----------------|--|
| मुर्गी | किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ो की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतुर्गी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गियों को गर्मी से बचाने के लिए मुर्गी घर में लगे हुए जुट के पर्दो पर पानी के छींटे मारे जिससें ठंडक बनी रहे। |

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|------------------------------|---|
| कृषि क्षेत्र | गेहूँ व अन्य फसलों से खाली खेतों की गहरी जुताई डिस्क प्लाउ से करें ताकि जमीन के अन्दर छिपे हुए हानिकारक कीटों के अण्डे व लार्वा धूप में नष्ट हो जायें। |

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में लू चलने की चेतावनी है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

मौसम की स्थिति को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गर्मी की लहर बचाव हेतु खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य प्रातःकाल एवं दोपहर के समय न करे। सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के बीच खेतों पर कोई कार्य न करें तथा खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई 7 -8 दिन के अन्तराल पर सायंकाल के समय करें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए बाहर न छोड़े। पशुओं को सुबह - शाम नहलायें। भीषण गर्मी को देखते हुए किसान भाई खेत में कार्य करते समय थोड़ी -थोड़ी देर पर पानी पीते रहे। दोपहर के वक्त अनावश्यक घर से बाहर न निकले यदि आवश्यक कार्य है तो सिर पर गमछा बाँध कर ही घर से बाहर निकले।

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details